हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 30 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आकाश टीम की कार्यकारिणी का विस्तार

मण्डला। दिनांक 28/12/2025 दिन रविवार ब्लॉक शाखा आकाश टीम नारायणगंज का बैठक जिला कार्यकारिणी के दिशा निर्देशानुसार जिला कार्यकारिणी अधिकारी कर्मचारी अनिल मरकाम जिला कार्यकारी अध्यक्ष, दिनेश खंडवाहे जिला महासचिव चंद्रशेखर धुर्वे जिला उपाध्यक्ष, दिलीप मरावी जिला मीडिया प्रभारी के उपस्थिति में ब्लॉक शाखा नारायणगंज आकाश टीम कार्यकारिणी का विस्तार एवं 14 कर्मचारियों के द्वारा आजीवन सदस्यता ग्रहण किया गया। कार्यवाही का विवरण ब्लॉक अध्यक्ष चैन सिंह मरावी (शिक्षक) उपाध्यक्ष विनय परतेती (राजस्व) काशी राम मार्को, कार्यकारी अध्यक्ष उजियार सिंह मसराम (शिक्षक) महासचिव महेंद्र मरावी शिक्षक राजेश मरावी पंचायत सचिव चंद्रकांत ठाकुर शिक्षक कोषाध्यक्ष हेमन्त मरावी शिक्षक (माध्यमिक शाला गढ़ार) सह कोषाध्यक्ष श्री नरबद सिंह मरावी जी CAC jsk मंगलगंज मीडिया प्रभारी देवी सिंह भारतीय, सचिव सुरेंद्र परस्ते कुसुम लाल उइके सुशील मरावी सत्येंद्र परते हेमन्त मरावी शिक्षक (प्राथमिक शाला चीरी) आकाश ब्लॉक शाखा नारायणगंज के उपरोक्त पदों पर नियुक्त कर पदभार सौपा गया उक्त बैठक में सभी कर्मचारी अजय मरावी गोपाल सिंह कुडापे, अंग्रेज उईके, मनीष उईके, सहपत सिंह मरावी, मंगरू सिंह गौठरिया CAC jsk माढोगढ़ की गरिमामय में उपस्थिति में बैठक संपन्न हुआ।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता और प्रशासनिक चुप्पी ने उजागर की जमीनी हकीकत

डेढ़ दशक बाद भी नहीं मिला नया स्कूल भवन

*** आंगनबाड़ी में पढ़ने को मजबूर प्राथमिक शाला के बच्चे।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की जनपद पंचायत मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया (बकौरी) के पोषक ग्राम कोसमडोंगरी में संचालित प्राथमिक शाला की स्थिति सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली को उजागर कर रही है। यहां अध्ययनरत लगभग 24 गरीब आदिवासी बच्चे आज भी सुरक्षित विद्यालय भवन से वंचित हैं, जिससे उनके भविष्य पर लगातार खतरा बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राथमिक शाला भवन का निर्माण वर्ष 1996 में हुआ था, जो 2011 से जर्जर अवस्था में है। बीते दो-तीन वर्षों में भवन की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि विभागीय अधिकारियों द्वारा इसमें स्कूल संचालन न करने के निर्देश जारी किए गए। इसके बावजूद बच्चों की पढ़ाई के लिए कोई वैकल्पिक भवन या अस्थायी व्यवस्था नहीं की गई।

आंगनबाड़ी में चल रही प्राथमिक शाला

मजबूरी में स्कूल प्रबंधन एवं ग्रामवासियों ने प्राथमिक शाला को आंगनबाड़ी केंद्र में संचालित करना शुरू कर दिया है। यहां आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों के साथ कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। इससे न केवल शिक्षण गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावक चिंतित, बच्चे स्कूल छोड़ने को मजबूर

अभिभावकों का कहना है कि आर्थिक तंगी के कारण वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते। शासकीय स्कूल ही उनका एकमात्र सहारा है, लेकिन जब वही सुरक्षित नहीं है तो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता स्वाभाविक है। कई ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर पढ़ाने की मजबूरी के चलते अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है।

2011 से दी जा रही सूचना, फिर भी नहीं हुआ समाधान

स्कूल प्रबंधन ने बताया कि वर्ष 2011 से लगातार विभागीय अधिकारियों को भवन की जर्जर स्थिति से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन इतने वर्षों में नए भवन निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वहीं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा भी स्कूल संचालन को लेकर आपत्ति जताई जा रही है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। अब मजबूरी में स्कूल प्रबंधन झोपड़ी बनाकर कक्षाएं संचालित करने पर विचार कर रहा है।

चुनावी वादों की पोल खोलता मामला

यह पूरा मामला शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा किए जाने वाले विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दावों की हकीकत उजागर करता है। चुनाव के समय ग्रामीण क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही गांवों की समस्याएं जैसी की तैसी बनी रहती हैं।

सवालों के घेरे में जनप्रतिनिधि

अक्सर देखा जाता है कि जनप्रतिनिधि स्कूलों में कार्यक्रमों में उपस्थिति दर्ज कराकर औपचारिकता निभा लेते हैं, लेकिन वहां मौजूद समस्याओं और बच्चों की पीड़ा पर ध्यान नहीं देते। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करना कितना उचित है, यह एक बड़ा सवाल है।

अब आवश्यकता है कि शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि जमीनी हकीकत को समझें और कोसमडोंगरी सहित ऐसे सभी गांवों में सुरक्षित एवं स्थायी विद्यालय भवन उपलब्ध कराएं, ताकि मासूम बच्चों को सुरक्षित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

इनका कहना है -

विधानसभा सत्र के दौरान जर्जर स्कूल भवनों की सूची दी जा चुकी है किन्तु सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की गयी।

चैन सिंह बरकडे
विधायक
विधानसभा क्षेत्र निवास, मण्डला

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा की सामान्य सभा सम्पन्न

*** जनवरी 2026 में अध्यक्ष चयन का निर्णय।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा, मंडला की सामान्य सभा की बैठक रविवार, 28 दिसंबर 2025 को भगवान परशुराम मंदिर परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा के उपरांत सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में अध्यक्ष पद के निर्वाचन में उत्पन्न गतिरोध पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित समस्त विप्रजनों के विचार एवं उद्बोधन के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि नववर्ष जनवरी 2026 में शीघ्र एक बैठक आयोजित कर आम सहमति से सभा के अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।

इसके साथ ही आगामी बसंत पंचमी पर्व के भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु एक आयोजन समिति के गठन का निर्णय लिया गया, जिससे कार्यक्रम गरिमामय रूप से सम्पन्न हो सके।

बैठक में ब्राह्मण समाज मंगल भवन निर्माण विषय पर भी चर्चा हुई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि मंगल भवन के भूमिपूजन का कार्यक्रम नववर्ष में शुभ मुहूर्त में शीघ्र आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष आकाश दीक्षित द्वारा 51,000/- की सहयोग राशि की घोषणा की गई। वहीं पं. प्रवीर तिवारी एवं पं. शैल दुबे द्वारा 11,000-11,000 तथा पं. चारुदत्त शुक्ला जी द्वारा 5,100 की सहयोग राशि घोषित की गई, जिसका उपस्थितजनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

बैठक में उपस्थित समस्त विप्र बंधुओं ने समाजहित में अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए सकारात्मक सुझाव दिए।

सभा में आकाश दीक्षित (अध्यक्ष), अरविंद शुक्ला, भीष्म द्विवेदी, राकेश तिवारी, सुभाष पांडेय, अमित शुक्ला, शैल दुबे, प्रमोद पाण्डेय, प्रदीप तिवारी, संजय दुबे, दिग्विजय झा, सुमंत उपाध्याय, प्रवीर तिवारी, श्याम दुबे, राजा शुक्ला, राजन तिवारी, प्रशांत बाजपेई, आनंद ज्योतिषी, अवनीश तिवारी सहित अन्य विप्रजन उपस्थित रहे। बैठक का सफल संचालन सुधीर उपाध्याय द्वारा किया गया।

नगर के जलाशय में की जा रही है खेती, किया जा रहा रासायनिक कीट नाशक दवाओं का प्रयोग

*** उसी जलासय का पानी पी रहे नगर के लोग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगर का एक मात्र जलाशय जो लगभग 50 वर्ष से भी ज्यादा पुराना हो गया है, सही देख भाल रखरखाव प्रशासनिक अनदेखी के होने के कारण पूरा जलाशय मट्टी के पुराव के कारण उथला हो गया है बारिश के कम पानी में ही पूरा जलाशय भर जाता हैं, जलाशय के भरने की जानकारी शासन को भेज दी जाती हैं मगर कम जल स्तर होने के कारण किसानों को कम समय पानी देने के बाद ही जल स्तर नीचे आ जाता हैं और किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पता, इसी जलाशय से पूरे नगर की नल जल योजना भी संचालित है जिससे पूरे नगर को पीने का पानी दिया जाता हैं, इतने सब होने के बाद भी जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा कम समय में जलाशय को खाली कर सब्जी आदि की खेती करने के नाम पर आधे जलाशय को ठेके में दे दिया जाता, ओर ठेकेदार के द्वारा सब्जी उगाने के नाम पर जलाशय को खेत की तरह उपयोग करता है रासायनिक खाद कीटनाशक दवाएं अपनी फसल के लिए प्रयोग करता हे जिससे वहीं रासायनिक कीटनाशक दवाएं सिंचाई के साथ बह कर जलाशय के पानी में मिल जाती हैं और वहीं रासायनिक कीटनाशक खाद वाला पानी नगर को नलजल योजना के माध्यम से पीने के लिए दिया जाता है , इस तरह प्रशासनिक लापरवाहियों के कारण रासायनिक कीटनाशक खाद दवाओं का मिला पानी पीने से अनेक पेट से संबंधित बीमारियों को जन्म दे रही।

इस ओर ना तो जलसंसाधन विभाग ध्यान दे रहा ओर ना नगर प्रशासन, इस संबंध में आज जब जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप सिंह परस्ते से बात करने पर बताया कि जलाशय की खाली जमीन एक समय के लिए खेती करने लीज पर दी जगई है, मगर खेती में रसायनिक दवा के प्रयोग नहीं करने कहा गया है।

इस संबंध में तयसीलदार बिछिया के संज्ञान पर लाने पर उन्होंने कहा कि ये जानकारी मेरे संज्ञान में अभी आई है में सम्बन्धित हल्के के पटवारी से जांच करवाकर आगे कार्यवाही की करूंगा।

स्कूल के सामने टपरा हटाने दिया गया आवेदन

निवास। नगर की गज्जूदेवरी वार्ड 03 के निवासी बीते तीन माहों से माध्यमिक शाला के रास्ते पर अवैध जमे टपरे को हटवाने स्थानीय प्रशासन से लगातार आवेदन निवेदन कर ज्ञापन तक दे चुके हैं, लेकिन न तो प्रशासन ध्यान दे रहा न ही नगर परिषद के अधिकारी जिससे आवेदक त्रस्त हो चले हैं, आज फिर दर्जनों से ज्यादा पुरूष और महिलाओं ने निवास थाना, लोक निर्माण, और नगर परिषद को आवेदन देकर एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई की मांग की है, अन्यथा रोड़ जाम कर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। ज्ञात हो कि उक्त समस्या के निराकरण में हो रही देरी से नाराज ग्रामीणों द्वारा सी एम हेल्फ़ लाइन में भी शिकायत की जा चुकी है पर कार्रवाई नहीं कि जा रही है। शिकायत कर्ताओं का कहना है कि उक्त टपरा स्कूल के नजदीक है जो कानून के खिलाफ है, वहीँ यहाँ बैठने वालों की मोटरसाइकिल खड़ी होने और जबलपुर मुख्य मार्ग होने से वाहनों की आवाजाही के बीच छोटे छात्रों को रोड़पार करने में दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है लेकिन स्थानीय प्रशासन हमारे बच्चों से संबंधित समस्या को हल करने में बड़ी लापरवाही कर रहा है।

मंडला फोर्ट में कोचिंग डिपो की मांग तेज

*** मंडला व्यापारी संघ ने नैनपुर में जीएम से की मुलाकात।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन के समग्र विकास एवं कोचिंग डिपो की स्थापना की मांग को लेकर अनाज, दलहन एवं तिलहन व्यापारी संघ मंडला के प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश से नैनपुर में भेंट की।

जानकारी के अनुसार 27–28 दिसंबर को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश का नैनपुर दौरा निर्धारित था। 28 दिसंबर को उनकी वापसी के कारण किसी से औपचारिक भेंट निर्धारित नहीं थी। इसके बावजूद मंडला व्यापारी संघ ने दिल्ली में व्यस्त कार्यक्रम में संलग्न मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते से दूरभाष पर संपर्क कर स्थिति से अवगत कराया। सांसद श्री कुलस्ते के हस्तक्षेप पर महाप्रबंधक ने प्रतिनिधिमंडल को भेंट का अवसर प्रदान किया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन एक टर्मिनल स्टेशन है, जहाँ से ट्रेनों का टर्मिनेशन एवं ओरिजिनेशन पूरी तरह संभव है। वर्तमान में यहाँ से केवल तीन ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जो मात्र मंडला से नैनपुर तक सीमित हैं। भविष्य में लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन हेतु मंडला फोर्ट में कोचिंग डिपो की स्थापना अत्यंत आवश्यक है।

व्यापारियों ने कहा कि कोचिंग डिपो स्थापित होने से यात्री ट्रेनों के कोचों का रखरखाव, मरम्मत एवं निरीक्षण मंडला फोर्ट स्टेशन पर ही संभव होगा। मंडला क्षेत्र में रेलवे की पर्याप्त खाली भूमि उपलब्ध है, जहाँ पिट लाइन, स्टैबलिंग लाइन, सिक लाइन एवं वाशिंग लाइन सहित आवश्यक अधोसंरचना विकसित की जा सकती है।

प्रतिनिधिमंडल ने नैनपुर जंक्शन में प्रस्तावित पिट लाइन एवं स्टैबलिंग लाइन पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि नैनपुर क्षेत्र में पानी की आपूर्ति तालाबों पर निर्भर है तथा किसी बड़ी नदी के अभाव में भविष्य में जल संकट की संभावना बनी रहेगी। इसके अलावा नैनपुर में पिट लाइन बनने से मेन लाइन पर अत्यधिक शनटिंग करनी पड़ेगी, जिससे चारों दिशाओं से संचालित ट्रेनों के आवागमन में बाधा और विलंब की स्थिति उत्पन्न होगी।

प्रतिनिधियों ने यह भी अवगत कराया कि प्रस्तावित जबलपुर–गोंदिया रेलखंड के दोहरीकरण के बाद नैनपुर जंक्शन पर ट्रैफिक अत्यधिक बढ़ेगा। वर्तमान में नैनपुर स्टेशन पर मात्र चार प्लेटफॉर्म एवं चार लाइनें हैं, जो एक बड़े जंक्शन के लिए अपर्याप्त हैं। अतः नैनपुर को पूर्ण जंक्शन के रूप में विकसित करने हेतु कम से कम 4–5 अतिरिक्त लूप लाइनें तथा प्लेटफॉर्म की संख्या बढ़ाकर न्यूनतम 8 करने की आवश्यकता है।

व्यापारी संघ ने मंडला फोर्ट में कोचिंग डिपो से होने वाले लाभ भी गिनाए। उन्होंने बताया कि मंडला फोर्ट मेन लाइन सेक्शन में नहीं होने से ट्रेन मूवमेंट एवं शनटिंग सरल होगी। क्षेत्र में माँ नर्मदा सहित दो नदियों के संगम के कारण वर्षभर पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा। साथ ही मंडला सड़क मार्ग से जबलपुर से 90 किमी तथा रायपुर, नागपुर और बिलासपुर से लगभग 250 किमी की दूरी पर स्थित होने से सामग्री एवं स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति भी सुगम होगी।

बैठक | **जिले के विकास के लिए समिति सदस्य अपने सुझाव दें-मंत्री श्रीमती उइके।**

जिला विकास सलाहकार समिति की प्रथम बैठक

*** विकास योजनाओं को सुदृढ़ बनाने में समिति महत्वपूर्ण भूमिका।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश सरकार के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री तथा जिला विकास सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की प्रथम बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, विधायकद्वय नारायण सिंह पट्टा एवं चैनसिंह वरकड़े, पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते, प्रफुल्ल मिश्रा, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, वन मंडलाधिकारी एमएस मोर्य, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना सहित विभागीय अधिकारी एवं जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने समिति के स्वरूप, उद्देश्य, कार्य एवं संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि जिले के समग्र विकास को गति देने और भविष्य की विकास योजनाओं को सुदृढ़ बनाने में यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक की शुरुआत समिति सदस्यों के परिचय के साथ हुई। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में हर स्तर पर ऐतिहासिक कार्य हुए हैं और विकास की रफ्तार अभूतपूर्व रही है। इस विकास गति को निरंतर बनाए रखने एवं और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिला विकास सलाहकार समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि इन समितियों के माध्यम से जिले में संचालित विकास गतिविधियों की समीक्षा, भविष्य की कार्ययोजना तथा जनोपयोगी सुझावों का समावेश संभव होगा, जिससे कार्य क्षमता में वृद्धि, गुणवत्ता सुनिश्चित और शासन-प्रशासन का कार्य जन-आशाओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप और बेहतर हो सकेगा। आप सभी सदस्यों के सुझाव एवं सलाह जिले के विकास को और बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जिले के विकास के लिए पहली बार इस तरह की समिति का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए यह समिति महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। समिति सदस्य जिले के विकास के लिए तीनों विधानसभाओं का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने में अपना सहयोग दें। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा पिछले 6 माह से विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ इस संबंध में सार्थक चर्चा की जा रही है। आप सभी का सुझाव इसमें आमंत्रित है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समिति के अध्यक्ष हैं तथा संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। समिति में जिला कलेक्टर सदस्य सचिव होंगे। इसके अतिरिक्त जिले के सभी संबंधित सांसद, विधायक, जिला मुख्यालय नगर पालिका अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, सभी जनपद पंचायत अध्यक्ष, साथ ही उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाजसेवा, चिकित्सा एवं विधि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

सिंधी पंचायत का गीत संगीत का कार्यक्रम आज

गाडरवारा। स्थानीय सिंधी पंचायत के तत्वाधान में आज 30 दिसंबर को शाम 7. 30 बजे से अपना पैलेस जगदीश मंदिर के पास महान सिंधी साहित्यकार एवं पदम श्री सम्मान से सम्मानित दादा हुदराज जिन्होंने की हमारी महान सनातन सिंधी संस्कृति को लोगों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया है । उनकी स्मृति में एक गीत संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। वही मध्य प्रदेश शासन की सिंधी साहित्य अकादमी जो की हमारी महान सिंधी संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करती है, उसके द्वारा इस वर्ष चयनित कार्यक्रम स्थलों में हमारे गाडरवारा शहर को भी चुना गया है। इस मौके पर अतिथियों के द्वारा हमारे प्राचीन एवं महान इतिहास के बारे में अपने व्याख्यानों एवं गीत संगीत तथा कविता पाठ के द्वारा बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में हमारे जिले की गौरव बिटिया निशि धामेचा भी अपने कविता पाठ के द्वारा सिंधी संस्कृति का परिचय करायेगी।

कॉलेज चलो अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को बताए उच्च शिक्षा के फ़ायदे, विशेषज्ञों ने दिखाई कैरियर की राह

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत 'कॉलेज चलो अभियान' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में कॉलेज की टीम ने संदीपनी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं चैतन्य हायर सेकेंडरी स्कूल सांईखेड़ा में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 140 विद्यार्थियों को कॉलेज की पढ़ाई और शासन की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।विषय चयन और योजनाओं पर केंद्रित रहा सत्र जागरूकता कार्यक्रम के दौरान संदीपनी स्कूल के 80 और चैतन्य स्कूल के 60 विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राध्यापकों ने बताया कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री हासिल करना नहीं है। बल्कि यह भविष्य निर्माण का आधार है। अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. व्यास नारायण मिश्रा ने महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया की बारीकियों को समझाया। वही इस मौके पर मौजूद अन्य विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अनेक बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि वह स्नातक स्तर पर अपनी रुचिनुसार सही विषयों का चुनाव कैसे करें। शासकीय योजनाएं मुख्यमंत्री मेधावी छात्र योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति और आवास सहायता योजना। कॉलेज में मिलने वाली निःशुल्क पुस्तकें, स्टेशनरी और लाइब्रेरी की सुविधा। विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्रभारी प्राचार्य सुश्री वैष्णवी इंगोले के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. कौशल कुमार मिश्र और डॉ. जुगुल किशोर सिंह ने स्नातक के बाद रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। वही महेंद्र शुक्ला, डॉ. संदीप दीक्षित और श्री बालकिशन जाटव ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की चुनौतियों और उनके समाधान के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शिवा सहाय, सुरेंद्र मिर्धा और ओम प्रकाश रजक ने भी शैक्षणिक व्यवस्थाओं के बारे में छात्रों से चर्चा की गई। विद्यार्थियों के मन से दूर हुई शंकाएं कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी कैरियर संबंधी शंकाओं को विशेषज्ञों के सामने रखा। विषय विशेषज्ञों ने बड़ी ही आत्मीयता से बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा। आयोजन की सफलता इस बात से स्पष्ट रही कि छात्रों में कॉलेज शिक्षा को लेकर भारी उत्साह नजर आया।

सड़क सोल्डर में नहीं किया जा रहा सुधार, आये दिन घटित हो रही घटनाएं

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि सड़को पर बढ़ रहे यातायात के चलते आये दिन दुर्घटनाएं घटित होना आम बात है, और यदि सड़को में गड़बडी हो तो निश्चित तौर से घटनाओं में इजाफा होना आम बात मानी जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय गाडरवारा कौड़िया मार्ग पर देखने मिल रही है, जहां पर वाहनों का आवागमन निरंतर बना रहता है इस सड़क मार्ग के दोनों तरफ के सोल्डर जमीन से ऊंचे हो गये है एवं सोल्डर के बाजू में बड़े बड़े पत्थर पड़े रहते है साथ ही गड्ढे भी बन गऐ है, सड़क सोल्डर परेशानी का सबब बन गए है। वाहन क्रासिंग के समय इन सोल्डरों के कारण वाहन चालको को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं छोटे वाहन चालक साइड देने के चक्कर में अपने वाहन सड़क से नीचे उतार लेते है ।

जगह का सही निर्धारण न होने के चलते कुछ साल पहले नगर पालिका द्वारा स्थापित की गई व्यायाम सामग्री सहित सेल्पी पाइंट हो गया बर्बाद, सुरक्षा का प्रबंध नहीं होने से

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अधिकारियों के हाथ में जब किसी तिजौरी की चाबी आ जाती है तो उनके द्वारा शासकीय धन की होली किस तरह खेली जाती है इस बात की सच्चाई हमारे नगर गाडरवारा में आसानी से देखने मिल सकती है..? ज्ञात हो कि बीते हुये लगभग पांच साल पहले जब नगर पालिका परिषद में निर्वाचित नगर परिषद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद लगभग दो साल के लिये नगर पालिका में प्रशासक राज्य स्थापित हो गया था और नगर पालिका की संपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वाहन अधिकारियों के हाथों में होने के चलते उन दो वर्षो के कार्याकाल के दौरान नगर विकास के नाम पर नगर पालिका क्षेत्र में शासन की करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये अधिकारियों द्वारा नगर विकास की बात कहने से नही चूक रहे थें..? क्योंकि नगर पालिका की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन के हाथों में रहने से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानों अधिकारियों की दसों अंगुली घी में आ गई हो...? प्रशासक कार्यकाल के दौरान जहां स्थानीय नगर पालिका में कर्मचारियों की भर्ती के नाम पर अधिकारियों की मानों लाटरी ही निकल गई थी और उस अवधि के दौरान दैनिक रूप से काम करने वाले कर्मचारियों की एक खासी फौज खड़ी हो गई है जिसमें नगर पालिका में भर्ती हुये कुछ कर्मचारियों की सच्चाई तो इस तरह देखने मिल रही है कि उनके खिलाफ पुलिस थानों में अनेक मामले दर्ज होने के बाद भी उन्हें शासकीय संस्थाओं में नौकरी पर रखना निश्चित तौर पर अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है..? जबकि नियम के अनुसार जब शासकीय संस्था में किसी कर्मचारी को नियुक्त किया जाता है तो उसके पहले पुलिस थाने से उसका चरित्र प्रमाण पत्र मांगा जाता है और पुलिस थाने में कोई मामला दर्ज होता है तो उसको सरकारी नौकरी तो दूर की बाद प्राईवेट संस्थाओं में तक नौकरी मिलना असंभव होता है..? मगर इसके बाद भी हमारी नगर पालिका में कुछ कर्मचारी इस तरह से है जिन पर पुलिस थाने में गंभीर से लेकर अन्य प्रकार के आधा आधा दर्जन मामले के बाद भी उन्हें शासकीय संस्था में नौकरी करते हुये देखा जा रहा है? इतना ही नही प्रशासक कार्यकाल के दौरान नगर विकास व सौन्दर्यकरण के नाम पर खर्च की गई राशि की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो लोग हैरत में पड़ने से नही चूक पाते है। क्योंकि जिन जगहों पर लाखों रूपया खर्च करते हुये नगर पालिका द्वारा विकास कार्य किये गये है। वह अनुपयोगी साबित होने के साथ साथ नगर की सुन्दरता को ग्रहण लगाने से नही चूक रहे है। मुख्य रूप से देखा जावे तो नगर के स्टेशन मार्ग बिजली आफिस के समीप नगर पालिका प्रशासन द्वारा लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये सेल्पी पाइंट रंगीन लाईट बाला डिजिटल साईन वोर्ड के आलवा यहां पर लोगों के लिये व्यायम सामग्री की स्थापना की गई थी। मगर यहां पर स्थापित की गई सरकारी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार के प्रबंध नही किये जाने के कारण हजारों रूपया कीमत का साईन वोर्ड टूट चुका है तो दूसरी ओर व्यायाम सामग्री की भी असुरक्षा होने

के चलते गंदगी के बीच घिरी हुई नजर आने के कारण अनुपयोगी साबित होने से नही चूक रही है। वही बीते हुये चार साल के दौरान यह लाखों रूपया की व्यायम सामग्री या तो गायब हो चुकी है जो शेष बची है वह जंग के चलते खराब होते हुये देखी जा रही है। इसी प्रकार से नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा नगर के शासकीय चिकित्सालय मार्ग यानि की टी व्ही एस शोरूम के सामने हनुमान मंदिर के समीप खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर हाकर जोन बनाने की बात कहते हुये लाखों रूपया खर्च करते हुये प्लेट मार्फ का निर्माण कराया गया था जिस पर लोगों द्वारा उम्मीद जताई जा रही थी कि शहर के पलोटन गंज से जमाडा की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार को यहां पर स्थापित किया जावेगा। यदि

ऐसा होता तो निश्चित तौर से लोगों को काफी सुविधा हो सकती थी। मगर यहां पर बनाये गये प्लेट फार्म को काफी लम्बा समय निकल जाने के बाद भी आज वह अनुपयोगी साबित होते हुये दिखाई पड़ रहा है? इस तरह नगर पालिका के प्रशासक कार्यकाल के दौरान नगर में लाखों रूपया खर्च करते हुये अनेक निर्माण कार्य जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रहे है तो अनेक जगहों पर शासकीय संपत्ति की सुरक्षा नही होने से वह बर्बाद होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर प्रशासक काल के दौरान नगर पालिका में नियुक्त हुये दैनिक स्तर के कर्मचारियों की फौज भी अनेक अचारण व चरित्र को लेकर अधिकारियों की भूमिका पर माँ लक्ष्मी जी के आर्शीवाद की ओर इशारा करने से नही चूक रहा है।

जिला अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल के आवास पर मनाया कांग्रेस ने स्थापना दिवस, नवनियुक्त पदाधिकारियों को किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

देश की राजनीति में विपक्ष की भूमिका निभा रही कांग्रेस पार्टी द्वारा बीते हुये दिवस मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशनुसार अपना स्थापना दिवस कांग्रेस कमेटी की जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक श्रीमति सुनीता पटैल के आवास पर बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने कांग्रेस की गौरवशाली परंपरा, स्वतंत्रता संग्राम में उसके ऐतिहासिक योगदान तथा संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के प्रति पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता को स्मरण किया साथ ही नवनिर्वाचित अधिबक्ता संघ अध्यक्ष हिमांशु दुबे एवं अनुज चौकसे सहित सुनील गुर्जर, सत्यवती चौधरी, हुसेन साब के अलावा ब्लॉक कांग्रेस,युवा कांग्रेस के नव नियुक्त पदाधिकारियों का एवं नवनियुक्त ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष के के पटेल साईखेडा एवं चीचली अध्यक्ष सत्यनारायण मुकद्दम का शाल श्रीफल से सम्मान किया किया गया। वही इस कार्यक्रम के दौरान नगर ब्लॉक अध्यक्ष सतीश सैनी, चीचली अध्यक्ष गिरजा शंकर कौरव, सालीचौका नगर अध्यक्ष पवन शुक्ला, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति अनिता/रविशेखर जायसवाल, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष छोटेराजा कौरव, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती संगीता जयसवाल, श्रीमती प्रियंका दीक्षित, एड.सत्यवती चौधरी, अवधेश रूसिया, बसंत तपा, राजीव दुबे, अनिल साहू, जगदीश सासानी, संदीप कौरव ,के.जी.आज़ाद , उमा गुप्ता, मोनू पाण्डे, आयुष जेन, मुकेश सोनी, बड्डा चौरसिया, सुरेंद्र राव साब, पार्षद गोलू गुप्ता सहित सुखदेव शर्मा, पूर्व पार्षद सोमनाथ कौरव, सचिन श्री वास्तव, पिंटू यादव, मोनू यादव, रत्नदीप जायसवाल, परसोत्तम कौरव, चन्दन कौरव, अभिषेक पटेल, राजदीप दुबे, यश राय, मनीष कौरव, भूपेंद्र कौरव, हजारी लाल ममार, संजय कौरव के आलवा युवा कांग्रेस महिला कांग्रेस nsui व अनेक वरिष्ठ कांग्रेजजन मौजूद रहे। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम तूमड़ा में जिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल के निर्देशानुसार, गाडरवारा विधानसभा के सांईखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम तूमड़ा में कांग्रेस जनों द्वारा अपनी पार्टी का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का संकल्प लेते हुए आगामी चुनौतियों पर रणनीति तैयार करने के साथ गांधीजी के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ कांग्रेस नेता चौधरी चंद्रभान राजपूत की अध्यक्षता में हुई। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए वरिष्ठ कांग्रेस जनों का रोली-तिलक लगाकर और पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया। वही संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से हाल ही में नियुक्त हुए पदाधिकारियों का कार्यक्रम में विशेष स्वागत किया गया। इसमें ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सांईखेड़ा के नवनियुक्त अध्यक्ष लखन पटेल, सांस्कृतिक विभाग के प्रदेश सचिव रघुनंदन पचौरी, समाज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग भार्गव, पंचायती राज संगठन के प्रदेश सचिव नीलेश ढीमोले और यूथ ब्लॉक उपाध्यक्ष आकाश पटेल का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया। इस दौरान 'मनभेद' मिटाकर बूथ स्तर पर मजबूती अपेक्षा जताई गई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि संगठन की असली शक्ति कार्यकर्ता हैं। इस दौरान 'अपना गांव-अपना बूथ, सबसे मजबूत' का नारा बुलंद किया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से आपसी मनभेद भुलाकर जनता के बीच जाने की अपील की। चर्चा के दौरान देश में व्याप्त महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और चिकित्सा व शिक्षा के गिरते स्तर जैसे गंभीर मुद्दों पर चिंता जताई गई। इस दौरान अनेक कांग्रेस नेतागण मौजूद रहे। वही कार्यक्रम के अंत में भाई नर्मदा सिंह राजपूत ने उपस्थित सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं के प्रति अपना आभार व्यक्त किया गया।

जल संचय अभियान अन्तर्गत दूधी नदी में किया गया बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा बीते हुये रविवार को विकासखण्ड चीचली में जल संचय अभियान अन्तर्गत सेक्टर क्रमांक 2 बसुरिया मे नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के तत्वाधान में ग्राम बेलखेड़ी बसुरिया की दूधी नदी में 274 बोरियों का बंधान बनाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाबई चीचली जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधा बाई जी/ कमलेश आहिवार, जनपद सदस्य विनिता मेहरा, समाज सेवी शिक्षिका श्रीमती चित्रा पांडे, वृक्ष मित्र संस्था संस्थापक योगेन्द्र सिंह , बागेश्वरी साहित्य से दीपक गुप्ता शिक्षक के आलवा NCI हाई स्कूल प्राचार्य धनराज विश्वकर्मा, बाल कवित्री गरिमा विश्वकर्मा, पर्यावरण प्रेमी सतीश कुमार सोनी, कवि पुरुषोत्तम मुख्त्यार मौजूद रहे। बताया जाता है कि यह बोरी बंधान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा चलाए गए जल संचय अभियान 15 नम्बर से 31 दिसंबर तक के अन्तर्गत किया गया है। इसके माध्यम से बहते जल को रोककर ग्रीष्म काल में पशु-पक्षियों व मनुष्य को जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराना तथा भूमिगत जल में वृद्धि करना है। वही बंधान के आस-पास के किसानों के लिए कृषि सिंचाई हेतु जल की उपलब्धता से कृषि सिंचाई के रकबे में वृद्धि कर उनकी आय में बढ़ोतरी करने के साथ ही सब्जी व तरबूज की फसल उत्पादन हेतु जल संचय से जल की उपलब्धता सुनिश्चित कराना इत्यादि प्रमुख उद्देश्यों की पूर्ति करना है।इसी क्रम में जल संचय अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करने वाले प्रतिभागियों को नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जल संचय अभियान अन्तर्गत इस बोरी बंधान कार्य में मध्यप्रदेश जन अभियान अभियान परिषद की विकास खण्ड समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे, नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, सचिव रामेश्वर वर्मा, समितियों से खुमान पटेल, लीलाधर लोधी, गुलाब पटेल, रितेश मेहरा, सूर्यकांत पटेल, कमलेश मेहरा, रज्जू योगेश वर्मा, अरविंद कृष्ण कुमार कुशवाहा, नीलेश वर्मा के आलवा शिक्षण संस्थाओं के छात्र-छात्राओं तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की सहभागिता रही।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के माध्यम से मिलन को मिली नई पहचान, पीतल के बर्तनों पर लेजर प्रिंटिंग की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

वैसे तो देखा जावे की पीलत नगरी चीचली द्वारा अपने वर्तनों के चलते देश के कौने कौन तक एक अलग की स्थापन प्राप्त किया गया है। मगर अपनी कारीगिरी के चलते आगे की ओर अग्रसर होने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि शहीद नगरी चीचली में स्थित आदि शक्ति लेज़र प्रिंट ने परंपरागत पीतल बर्तन उद्योग में आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत यहां के निवासी मिलन ताम्रकार ने पीतल के बर्तनों पर कस्टमाइज़्ड लेज़र प्रिंटिंग की शुरुआत की। इससे उन्होंने डिज़ाइन, नेम प्लेट और धार्मिक चिन्ह उकेरे। इससे साधारण बर्तन विशेष और व्यक्तिगत उत्पाद बन गए, जिससे मांग तेजी से बढ़ी। उद्यमी ताम्रकार बताते हैं कि उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये का बैंक ऋण सहायता राशि प्राप्त हुई। इससे उन्होंने अपने परंपरागत कार्य को गति दी गई। वही उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज गारंटी तथा 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान की वित्तीय सुविधा का प्रावधान है, जिससे उद्यम की स्थापना और संचालन में सहयोग मिलता है। इसके लिए श्री ताम्रकार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए इस योजना की सराहना की जा रही है।

शमशान घाट के कायाकल्प निरीक्षण के दौरान बोले अग्रवाल, गुणवत्ता के साथ स्वीकार नहीं किया जावेगा समझौता

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

निश्चित किसी भी शासकीय निर्माण कार्य पर यदि जिम्मेदारो की निगरानी रहती है तो उस कार्य में गुणवत्ता के साथ खिलबाड़ होने की संभावना समाप्त ही हो जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन अग्रवाल नगर में चल रहे विकास कार्यो पर अपनी पैनी नजर रखे हुये देखे जा रहे है। बताया जाता है कि उनके द्वारा नगर परिषद सांईखेड़ा द्वारा शहर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए चलाए जा रहे अभियानों के बीच, निर्माणाधीन शमशान घाट के कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन अग्रवाल ने स्वयं निर्माण स्थल पर पहुंचकर चल रहे कार्यों की बारीकी से समीक्षा की और तकनीकी पहलुओं का जायजा लेते हुये कहा कि गुणवत्ता के साथ किसी भी स्थिति में समझौता स्वीकार नही किया जावेगा। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि के साथ नगर परिषद के इंजीनियर, संबंधित ठेकेदार और विभागीय स्टाफ मौजूद रहा। इस नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन अग्रवाल ने मौके पर चल रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखा और असंतोषजनक स्थिति से बचने के लिए ठेकेदार व इंजीनियर को कड़े निर्देश देते हुये उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य मानक माप दंडों के अनुसार और पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण होना चाहिए। इस दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि ने बताया कि यह शमशान घाट परिषद के 'ग्रीन प्रोजेक्ट' का हिस्सा है। नगरवासियों के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शमशान घाट उपलब्ध कराना परिषद की प्राथमिकता है। अपनी जानकारी में बताया कि वर्तमान में निर्माण कार्य प्रगति पर है और परिषद ने अभी इसे पूरी तरह हैंडओवर नहीं लिया है। निरीक्षण के दौरान बाउंड्री वॉल और अन्य स्थानों पर जो भी छोटी-मोटी क्षति या खामियां पाई गई जिसको लेकर उन्हें ठेकेदार के माध्यम से तत्काल ठीक करवाया जाएगा। इस दौरान अग्रवाल ने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा, जिससे नगर को एक भव्य और सुंदर शमशान घाट की सौगात मिलेगी। इससे अंतिम संस्कार व अन्य धार्मिक क्रियाओं के लिए आने वाले नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। हमारा लक्ष्य इसे नगर के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित करना है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण के साथ बहुत जल्द हम इसे नगरवासियों को समर्पित करेंगे। देश के प्रधानमंत्री से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा आम जनता को सुविधाये उपलब्ध कराने की जिस तरह सोच बनाये हुये है उसका सफल बनाने के लिये हमारा प्रयास भी किसी भी स्थिति में पीछे नही रहना चाहिये। जिस भरोसे के साथ हमको जिम्मेदारी सौपी गई है उसको पूरा करना हमारा उद्देश्य है।

खबर संक्षेप

भारतीय ज्ञान परंपरा का गणित के क्षेत्र में योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन और भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. स्वर्णिम पटेल के मार्गदर्शन में भारतीय ज्ञान परंपरा का गणितीय क्षेत्र में योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीपचंद गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय गणित दिवस महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता हैं। भारत की गणितीय परंपरा अत्यंत प्राचीन, समृद्ध एवं विश्व को दिशा देने वाली रही हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित केवल संख्याओं का अध्ययन नहीं, बल्कि दर्शन, खगोल, वास्तु, ज्योतिष एवं विज्ञान का आधार रहा हैं। डॉ. सुनील काकोड़िया और कैलाश प्रसाद लखेरा ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं हैं, बल्कि आधुनिक अध्ययन और शोध की सशक्त आधारशिला हैं। वेद, उपनिषद, दर्शन, गणित, आयुर्वेद, योग, व्याकरण और खगोल विज्ञान में निहित सिद्धांत आज भी आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक से प्रत्येक विषयों को दिशा देने का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जे.पी. यादव, सीईओ जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी सहित सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों एवं सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन के 50 से 100 दिवस पुराने प्रकरणों में हितग्राहियों को संतोषजनक उत्तर दिया जाए, अन्यथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि समनापुर, बजाग, करंजिया एवं शहपुरा विकासखंडों में निर्धारित हाट बाजारों में जैविक उत्पादों के हाट बाजार नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, जिससे स्थानीय उत्पादों को बाजार एवं उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण जैविक सामग्री उपलब्ध हो सके।पशुपालन एवं डेयरी विभाग को निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में नई सहकारी दुग्ध समितियों का गठन, नए मिल्क रूट का विकास तथा निष्क्रिय समितियों को पुनः सक्रिय किया जाए, जिससे पशुपालकों को बेहतर मूल्य के साथ स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों।

बैठक में जन आकांक्षा, एक बगिया मां के नाम, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, नवीन पंचायत एवं सामुदायिक भवन, स्वरोजगार योजनाएं, रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना, कृषि यंत्रीकरण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम, जल जीवन मिशन, राजस्व संग्रहण, वन एवं जनजातीय कार्य विभाग सहित अनेक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।कलेक्टर ने अनुपस्थित रहने एवं जानकारी प्रस्तुत न करने पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सब इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत दो ग्रामों को मॉडल के रूप में विकसित करने, धरती आबा योजना में पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा पंखनी योजना के तहत चयनित बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी एवं कोचिंग सुविधा देने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए।इसके साथ ही सीपी ग्राम, पीएम जनमन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, धान एवं कोदो-कुटकी उपार्जन, नरवाई प्रबंधन, राजस्व प्रकरणों, निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों, आजीविका गतिविधियों तथा अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक के अंत में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन एवं आम नागरिकों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शासन की नई पहल से आसान होगी स्वच्छता सेवा

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए शुरू हुई 'वॉश ऑन व्हील' स्मार्ट क्लीनिंग सुविधा

डिंडौरी। ग्रामीण अंचलों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सहज बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा "स्वच्छता साथी – वॉश ऑन व्हील (एसएस–वॉव)" नामक नई पहल की शुरुआत की गई है। यह सेवा शौचालयों एवं संस्थागत परिसरों की साफ-सफाई के लिए आधुनिक तकनीक पर आधारित एक सुविधाजनक समाधान उपलब्ध कराती है।इस पहल के माध्यम से ग्रामीणजन अब मोबाइल एप के जरिए घर बैठे शौचालयों की सफाई के लिए सेवा बुक कर सकेंगे। लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था एक चुनौती बनी हुई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस नवाचार को लागू किया गया है।हाल ही में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान एवं जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में 'वॉश ऑन व्हील' सेवा के माध्यम से नियमित सफाई कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही सभी विभाग प्रमुखों को ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न शासकीय एवं संस्थागत इकाइयों में भी इस सेवा का उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोबाइल एप से होगी आसान बुकिंग

'वॉश ऑन व्हील' सेवा के अंतर्गत नागरिक अपने घरेलू, संस्थागत अथवा सामुदायिक शौचालयों की सफाई हेतु प्ले स्टोर से उपलब्ध मोबाइल एप डाउनलोड कर मांग दर्ज कर सकते हैं। एप में पंजीयन के बाद गांव, स्थान, शौचालय का प्रकार एवं आवश्यक समय का चयन कर सेवा का अनुरोध किया जा सकता है।अनुरोध स्वीकृत होने के पश्चात निर्धारित तिथि एवं समय पर स्वच्छता साथी द्वारा साफ-सफाई का कार्य पूर्ण किया जाएगा। यह व्यवस्था न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा और सुविधा को भी सशक्त बनाएगी।'स्वच्छता साथी – वॉश ऑन व्हील' पहल को ग्रामीण स्वच्छता व्यवस्था में एक प्रभावी और अभिनव कदम माना जा रहा है, जो स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को धरातल पर साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

1 जनवरी से ग्राम भाखा में ऑल इंडिया ओपन एवं ग्रामीण स्तरीय ब्हालीवाल प्रतियोगिता आयोजित

अमरपुर। आदर्श क्लब नवयुवक मंडल ग्राम भाखा माल विकासखंड अमरपुर के तत्वावधान में नववर्ष के सुअवसर पर आगामी 1 जनवरी से 4 जनवरी तक चार-दिवसीय ऑल इंडिया ओपन एवं ग्रामीण स्तरीय ब्हालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं। जिसमें ओपन विजेता टीम को 16 हजार 1 रुपए नकद व ट्राफी, ओपन उपविजेता टीम को 8 हजार 1 रूपए नगद व ट्राफी एवं ग्रामीण प्रथम विजेता टीम को 20 हजार 1 रुपए नकद व ट्राफी, ग्रामीण द्वितीय विजेता टीम को 10 हजार 1 रूपए नगद व ट्राफी एवं ग्रामीण तृतीय विजेता टीम को 5 हजार 1 रुपए नकद व ट्राफी प्रदान किया जाएगा। आयोजित प्रतियोगिता में इच्छुक टीमें ऑल इंडिया ओपन प्रतियोगिता में 400 रूपए एवं ग्रामीण स्तरीय प्रतियोगिता में 500 रूपए प्रवेश शुल्क 2 जनवरी दोपहर 2 बजे तक मोबाइल के माध्यम से इंट्री फीस जमा कर आयोजित प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आयोजन समिति के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि खिलाड़ियों को खेल के दौरान चोट लगने पर खिलाड़ी की स्वयं जिम्मेदारी होगी, समस्त खिलाड़ी खेलभावना से खेले। किसी भी विवाद की स्थिति में समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। इसके साथ ही मैन ऑफ द मैच के लिए ट्राफी व 15 किलोमीटर से अधिक दूरी से आने वाले टीमों की भोजन एवं आवास व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा किया जाएगा। वहीं खिलाड़ी ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़े साथ में स्वयं लेकर आएं। आयोजित ऑल इंडिया ओपन एवं ग्रामीण स्तरीय ब्हालीवाल प्रतियोगिता के उद्घोषक की भूमिका में दीपक तिलगाम एवं राविन्द्र बघेल रहेंगे।

फॉसिल्स पार्क घुघुवा में आयोजित हुआ प्रथम अनुभूति शिविर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

साथ ही अनुभूति आचार संहिता एवं दिनभर की गतिविधियों की जानकारी दी गई।

वन मंडल डिंडौरी (सामान्य) अंतर्गत अनुभूति कार्यक्रम सत्र 2025-26 के तहत प्रथम अनुभूति शिविर का आयोजन 29 दिसंबर को फॉसिल्स पार्क घुघुवा में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वन मंडल अधिकारी श्री पुनीत सोनकर के निर्देशन, उप वनमंडल अधिकारी शहपुरा श्री सुनील कुमार अशोक के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी मेंहदवानी श्री मिथुन सिसोदिया की उपस्थिति में संपन्न हुआ।अनुभूति शिविर में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कठौतिया के कुल 126 छात्र-छात्राएं एवं 6 शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रकृति वंदना एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।इसके पश्चात अनुभूति मास्टर ट्रेनर श्री शोभित राम बनवासी एवं अनुभूति प्रेरक श्री अमृत सिंह मसराम द्वारा छात्रों को अनुभूति कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी देते हुए इसकी थीम मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव एवं "हम हैं धरती के दूत"के उद्देश्य समझाए गए।

छात्र-छात्राओं को दो समूहों में विभाजित कर प्रकृति पथ भ्रमण कराया गया, जहां उन्हें घास, सूखे पत्ते, वृक्ष, झाड़ियां, औषधीय पौधों की पहचान, उपयोगिता एवं संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। इसके साथ ही दीमक की बामी, मधुमक्खी के छत्ते, बया पक्षी के घोंसले, शाकाहारी एवं मांसाहारी वन्य जीव, सर्प, गिद्ध एवं विभिन्न पक्षियों के बारे में रोचक जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान सामूहिक फोटोग्राफी की गई। दोपहर भोजन के उपरांत छात्रों के लिए साहसिक गतिविधियां, खाद्य-जाल एवं खाद्य-श्रृंखला की जानकारी, "मैं हूं कौन" खेल, क्विज प्रतियोगिता एवं चित्रकला गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। सामूहिक अनुभूति गीत के साथ शिविर का समापन हुआ।इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी मेंहदवानी के समस्त वन अमले एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे। यह शिविर छात्रों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

छात्रों ने सीखा विषम परिस्थितियों में जीवन-यापन का कौशल

डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदोरिया के निर्देशन तथा सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री राजेंद्र कुमार जाटव के मार्गदर्शन में भारत स्काउट एवं गाइड के वार्षिक कार्यक्रम सत्र 2025-26 के अंतर्गत स्काउट एवं गाइड द्वितीय सोपान जांच शिविर का आयोजन 24 दिसंबर से 28 दिसंबर 2025 तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कठौतिया (मेंहदवानी) में किया गया।शिविर में विकासखंड शहपुरा, मेहदवानी एवं अमरपुर के लगभग 40 विद्यालयों से 165 स्काउट, 72 गाइड एवं 32 स्काउटर-गाइडर सम्मिलित हुए। पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का संचालन शिविर संचालक रामकुमार चंद्रौल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें सहायक प्रशिक्षक कैलाश संत, प्रदीप बैरागी एवं अशोक चंद्रोल ने प्रशिक्षण प्रदान किया।प्रतिदिन प्रातः 5.30 बजे से रात्रि 10 बजे तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्काउट-गाइड को ध्वज शिष्टाचार, प्राथमिक उपचार, मार्च पास्ट, योगासन, साहसिक गतिविधियां, दिशा ज्ञान, खोज के चिन्ह, यातायात नियम, विभिन्न प्रकार की गांठें, विषम परिस्थितियों में जीवन-यापन, सामूहिक दिनचर्या, सहयोग की भावना, स्काउट प्रतिज्ञा, प्रार्थना, सर्वधर्म प्रार्थना, नेतृत्व विकास एवं देशप्रेम जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

भारत स्काउट एवं गाइड डिंडोरी के प्रभारी पुरुषोत्तम सिंह राजपूत ने बताया कि स्काउटिंग के माध्यम से बच्चों में नैतिक, चारित्रिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास किया जाता है। इसमें ट्रैकिंग, हाइकिंग, पर्वतारोहण, शीलारोहण, कैंपिंग, नौकायन, तैराकी, सामुदायिक सेवा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता के अवसर प्रदान किए जाते हैं। स्काउटिंग युवाओं को आदर्श नागरिक बनाने का एक विश्वस्तरीय आंदोलन है।शिविर को सफल बनाने में अमर साहू, परवेज खान, राजकुमारी मरावी, खिवनाजी चौधरी, फूलचंद यादव, धनेंद्र टेमरी, वर्षा धुर्वे सहित अन्य प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राज्य स्तरीय मत्स्य कृषक पुरस्कार के लिए चयन

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से दोगुनी हुई आय

डिंडौरी।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत डिंडौरी जिले के विकासखंड समनापुर अंतर्गत ग्राम किवंटी की मत्स्य कृषक प्रेमवती (पति–अमान सिंह) का चयन राज्य स्तरीय मत्स्य कृषक पुरस्कार के लिए किया गया है। योजना से जुड़कर उन्होंने मत्स्य पालन को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाया और अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की।वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत प्रेमवती को स्वयं की भूमि पर तालाब निर्माण एवं आवश्यक संसाधनों के लिए कुल 4.40 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई, जिसमें से 60 प्रतिशत अर्थात 2.64 लाख रुपये अनुदान के रूप में शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए। तालाब का जलक्षेत्र 0.40 हेक्टेयर है।

तालाब निर्माण के पश्चात प्रथम वर्ष में स्पान संवर्धन कार्य किया गया, साथ ही पंगेषियस, रोहू, कतला एवं मृगल प्रजातियों का सफलतापूर्वक मत्स्योत्पादन किया गया। परियोजना के अंतर्गत 3,000 पंगेषियस फिंगरलिंग का संचयन किया गया तथा मत्स्य आहार पर लगभग 2.00 लाख रुपये का व्यय हुआ। इससे कुल 2.50 मीट्रिक टन मत्स्योत्पादन प्राप्त हुआ, जिसके विक्रय से प्रतिवर्ष लगभग 5.00 लाख रुपये की संभावित आय हो रही है।इसके अतिरिक्त स्पान संवर्धन के माध्यम से 40 लाख स्पान से 12 लाख फ्राई का उत्पादन किया गया, जिससे मत्स्यबीज संवर्धन से लगभग 1.40 लाख रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित हुई। समस्त लागत एवं आय को मिलाकर कुल 3.40 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई है।तालाब में रोहू, कतला, मृगल, सिल्वर कार्प, ग्रास कार्प, कॉमन कार्प एवं पंगेषियस प्रजातियों का पालन किया जा रहा है। मत्स्य पालन गतिविधि से चार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी प्राप्त हुआ है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है।उल्लेखनीय है कि प्रेमवती को पूर्व में वर्ष 2023–24 में जिला स्तरीय मत्स्य कृषक पुरस्कार के अंतर्गत आत्मा परियोजना से 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा चुकी है। उनकी सफलता प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण और आय वृद्धि का प्रेरणादायक उदाहरण है।

जल संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल श्रमदान से किया गया बोरी बंधान

डिंडौरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला डिंडौरी के जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान के मार्गदर्शन एवं विकासखंड बजाग की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे के नेतृत्व में जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु एक सराहनीय पहल की गई।विकासखंड बजाग के सेक्टर-04 अंतर्गत ग्राम बछरगांव स्थित मरजादी नदी पर जल संरक्षण के उद्देश्य से श्रमदान के माध्यम से 55 बोरी बंधान का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। यह कार्यक्रम नवांकुर संस्था बैगा समाज सेवा संस्था के तत्वावधान में आयोजित किया गया।इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणजनों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया गया। वक्ताओं ने बताया कि बोरी बंधान से क्षेत्र के भूजल स्तर में वृद्धि होगी, कृषि कार्यों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा पशु-पक्षियों एवं वन्य जीवों के लिए यह कार्य अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अभियान में ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे, मेंटर शिवकुमार धुर्वे, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष सत्यवान कोठी एवं छात्र उमेश कोठी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों का सक्रिय सहयोग रहा।

भारतीय किसान संघ के बैनर तले अनिश्चितकालीन हड़ताल, शासन–प्रशासन के खिलाफ आर–पार की लड़ाई का ऐलान

डिण्डौरी- जिले के शहपुरा तहसील मुख्यालय में किसानों का आक्रोश अब आंदोलन का रूप ले चुका है। बिजली, पानी, सिंचाई, समर्थन मूल्य, अधोसंरचना और प्रशासनिक उपेक्षा जैसे मुद्दों को लेकर भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसानों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। तहसील कार्यालय के समीप वीरांगना रानी दुर्गावती स्टेडियम में आयोजित इस धरना–प्रदर्शन में हजारों की संख्या में किसान, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। किसानों ने साफ शब्दों में कहा कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित और समयबद्ध कार्यवाही चाहिए, अन्यथा आंदोलन को जिले से आगे प्रांत स्तर तक ले जाया जाएगा। किसानों की सबसे प्रमुख मांग शहपुरा में 132 केव्ही का विद्युत उपकेंद्र (सब-स्टेशन) शीघ्र स्थापित करने की है। किसानों का कहना है कि वर्तमान में शहपुरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमराई हुई है। आए दिन लो-वोल्टेज, अघोषित कटौती और ट्रिपिंग की समस्या से किसान जूझ रहे हैं।किसानों ने बताया कि—सिंचाई पंप पर्याप्त वोल्टेज न मिलने के कारण नहीं चल पाते रात–रात भर बिजली का इंतजार करना पड़ता है मोटर जलने की घटनाएं बढ़ रही हैं फसल की सिंचाई समय पर नहीं हो पा रही किसानों का आरोप है कि बिजली की इस अव्यवस्था के कारण फसल लागत बढ़ रही है, जबकि उत्पादन घटता जा रहा है। कई किसानों ने मंच से बताया कि डीजल पंप का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।भारतीय किसान संघ ने मांग की कि—शहपुरा में 132 केव्ही विद्युत स्टेशन का निर्माण तत्काल स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं को स्थायी समाधान मिल सके। धरना–प्रदर्शन में दूसरा बड़ा मुद्दा सिंचाई व्यवस्था की बदहाली का रहा। किसानों ने आरोप लगाया कि डिण्डौरी जिले में करोड़ों रुपये की लागत से बने बिलगांव मध्यम सिंचाई परियोजना बांध, दनदना जलाशय और चौरा जलाशय किसानों के लिए सिर्फ कागजों में ही सिंचाई साधन बनकर रह गए हैं।किसानों का कहना है कि बांधों में पर्याप्त जल संग्रहण होने के बावजूद नहरों की हालत इतनी खराब है कि खेतों तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहाकई स्थानों पर नहरें टूट चुकी हैंकहीं गाद और झाड़ियों से नहरें पूरी तरह जाम धरने में शामिल किसानों ने बताया कि सिंचाई के अभाव में इस समय जिले में धान, गेहूं, चना और सब्जी फसलों पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। कई क्षेत्रों में किसान केवल बारिश के भरोसे खेती करने को मजबूर हैं।किसानों के अनुसार समय पर पानी न मिलने से फसल सूख रही है उत्पादन घट रहा है लागत निकलना भी मुश्किल हो गया है किसानों ने कहा कि यदि जल्द ही सिंचाई और बिजली व्यवस्था नहीं सुधरी तो आने वाले समय में किसानों की आर्थिक स्थिति और खराब हो जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन–प्रशासन की होगी। धरना–प्रदर्शन के दौरान किसानों ने धान 3100 रुपये और गेहूं 2700 रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य (**MSP**) के वादे को याद दिलाया। किसानों का आरोप है कि चुनावों के समय बड़े-बड़े वादे किए गए, लेकिन सत्ता में आने के बाद सरकार उन्हें भूल गई।इसके साथ ही किसानों ने शहपुरा सहित डिण्डौरी जिले को रेलवे लाइन से जोड़ने की पुरानी मांग को भी दोहराया। किसानों का कहना है कि रेलवे सुविधा न होने से कृषि उपज को बाहर भेजने में भारी खर्च उठाना पड़ता हैजिले का औद्योगिक और कृषि विकास अवरुद्ध है विशाल रैली से प्रशासन को चेतावनी धरना स्थल से किसानों ने नगर में विशाल रैली निकाली। हाथों में तख्तियां, बैनर और नारे लिखे पोस्टर लेकर किसान शासन–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। रैली के माध्यम से किसानों ने यह संदेश दिया कि यह आंदोलन केवल शुरुआत है।

शिक्षक प्रकाश मिश्रा हुए सेवानिवृत्त

डिंडोरी जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय बछरगांव के प्राचार्य प्रकाश मिश्रा के सेवानिवृत्त होने पर बिदाई कार्यक्रम का आयोजन रखा गया बिदाई कार्यक्रम में प्रकश मिश्रा व उनके परिवार के साथ साथ साथी शिक्षक व पूर्व सेवानिवृत्त हुए शिक्षक भी मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने प्रकाश मिश्रा का तिलक वन्दन कर सम्मान किया और कार्यक्रम में उपस्थित लोगो ने श्रीफल, शॉल के साथ अन्य उपहार भेंट किए वही कार्यक्रम में मौजद लोगों ओर शिक्षको ने मिश्रा जी के अच्छे कार्यकाल की सराहना करते हुए उदबोधन दिया शिक्षक प्रकाश मिश्रा सन 2019 से शासकीय माध्यमिक विद्यालय बछरगांव में पदस्थ रहे और सात साल बाद 2025 के अंत में विद्यालय के द्वारा उन्हें भावनापूर्ण विदाई दी गई बिदाई कार्यक्रम में उनके साथी

शिक्षक के साथ ग्राम पंचायत बछरगांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 30 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

समाधान योजना के तहत उपभोक्ताओं को मिल रहा लाभ

तेंदूखेड़ा इन दिनों म.प्र विद्युत मंडल नरसिंहपुर संभाग गाडरवारा अंतर्गत सहायक अभियता गाडरवारा उपसंभाग पी के लोधी कनिष्ठ अभियंता उमेश कुमार बाल्मिक एवं उनकी टीम के द्वारा ग्राम गंगाई में केम्प व बड़े बकायादारों के यहां सघन संपर्क वसूली अभियान चलाया गया ,इसी क्रम में कृषि पंप उपभोक्ता रामरतन सिंह से 1.47 लाख रू कृषि पंप बिल बकाया एक मुश्त समाधान छूट का लाभ दिलाते हुए 84341 रुपए 64409 रू जमा किए गए । 5 अन्य उपभोक्ताओं से 26 541 रुपए तथा समाधान योजना में अन्य उपभोक्ताओं से भी बिल जमा कराए गए एवं शासन की समाधान योजना अंतर्गत छूट की जानकारी देते हुए योजना का लाभ लेते हुए बिल जमा करने को अन्य बड़े बकायादारों को प्रेरित किया गया। सोमवार को ग्राम गंगाई में विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन का सहयोग लेते हुए बिल जमा न करने वाले बड़े बकायादारों के विरुद्ध कुर्की की कार्यवाही जिसमे स्टार्टर तार नोजल पाईप मोटर साईकल आदि जप्ती की कार्यवाही प्रस्तावित की गई है जिसके लिए पुलिस थाना तेंदूखेड़ा को पत्र भेजा जा चुका है।

श्रीमद भागवत कथा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर के रिपटा पार में आयोजित श्रीमद कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास पंडित विवेक महाराज के मुखारविंद से भक्तों को भगवान की कथा का रसपान कराया जा रहा है। दूसरे दिवस की कथा में राजा परीक्षित की कथा का व्याख्यान किया गया। जिसका सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने सानंद श्रवण किया। आज की कथा के समापन पर मिलन समिति नरसिंहपुर के संरक्षक एस, के, चतुर्वेदी, अध्यक्ष संजय राय, छोटू पटेल, गोपालपुरी गोस्वामी, विजय महाराज सहित सभी सदस्यों द्वारा कथा वाचक महाराज श्री का शाल श्रीफल एवं पुष्प माला से ब्यास पूजन किया। कथा के यजमान सूरज राय ने सभी श्रद्धालुओं से धर्म लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह किया है।

किसानों की परीक्षा नहीं हो पा रही पूरी

किसानों ने की नारेबाजी, लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला कृषि प्रधान है और सरकार पक्ष के नेताओं एवं जिले के अधिकारियों को फक्र भी होता है कि जिले मे अच्छा व सर्वाधिक उत्पादन होता है परन्तु जिले के नेताओं तथा अधिकारियों को किसानों की परेशानियों का कोई एहसास नहीं होता है। जिले का किसानों बीते लंबे समय ये अग्नि परीक्षा देता चला आ रहा है। लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा आंकड़े दिखाकर अच्छी व्यवस्थाएं देने की बात कही जा रही है लेकिन किसानों की समस्या का विराम नही हो पा रहा है। जिले का किसान खाद को लेकर अनेकों प्रकार के यत्न करता चला आ रहा है परन्तु उसे खाद नसीब नही हो पा रही है। ऐसा ही बीती रात हुआ और गुस्साए किसानो ने सड़क पर जाम लगा दिया।

यूरिया के लिए रात भर जाग रहा किसान

यूरिया खाद की कमी को लेकर किसानों का गुस्सा बढ़ गया है। सोमवार को यूरिया न मिलने से परेशान किसानों ने इतवारा बाजार के पास सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। जिले के विभिन्न खाद वितरण केंद्रों पर यूरिया के लिए लंबी कतारें लग गई। करेली खाद वितरण केंद्र पर सैकड़ों किसान रात करीब 2 बजे से लाइन में लगे थे, लेकिन सुबह तक अधिकांश को यूरिया नहीं मिल पाया। इससे नाराज किसानों ने इतवारा बाजार समिति क्षेत्र में इकट्ठा होकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क अवरुद्ध कर दी। यूरिया के लिए रात से लाइन में खड़े रहे किसानों को भी खाद नही मिला जिससे उन्हे विरोध करते हुए मार्ग पर जाम लगाना पड़ा परन्तु कोई हल नही निकल सका।

वितरण मे हो रही गड़बड़ी

यूरिया वितरण को लेकर किसानों का कहना है कि जिला प्रशासन लगातार यूरिया की कमी न होने का दावा कर रहा है, जबकि जमीनी हकीकत अलग है। मंडी गोदाम, इतवारा बाजार समिति, करेली और गाडरवारा सहित जिले के लगभग सभी वितरण केंद्रों पर रोजाना लगने वाली लंबी कतारें खाद की भारी किल्लत को दर्शाती हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन जानबूझकर अव्यवस्थित तरीके से खाद का वितरण कर रहा है, जिससे उन्हें बार-बार परेशानी हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध नहीं कराया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी यूरिया होने की बात कहते है।

आखिर कब तक ऐसा चलेगा

किसानों के प्रति प्रशासन का रवैया ठीक प्रतीत नही हो रहा है। प्रशासन के उच्च अधिकारी किसानों से अपील करते नजर आते है कि परेशान होने की आवश्यकता नही है जिले मे लगातार रैक प्राप्त हो रहे है तथा जिले मे यूरिया पर्याप्त है लेकिन प्रशासन के वितरण केन्द्र मे जाकर देखा जाए तो कहा जाता है कि यूरिया की कमी है यूरिया लेने के लिए किसान दिन रात एक किए हुए है और भूख प्यास को छोड़कर लाइन मे लगा रहता है परन्तु प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को किसानों की परेशानियों से कोई लेनादेना नही है। किसान परेशान बना हुआ है जिला प्रशासन भी किसानों के प्रति अपना रवैया उदासीन बनाए हुए है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को समय सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाइन, टीएल पत्रों और विभिन्न विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों व गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि के साथ किया जाए। टीएल पत्रों का जवाब समय सीमा में दिया जाए। उन्होंने कृषि, सहकारिता, उद्योग, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पशु चिकित्सा, मत्स्य, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला शहरी अभिकरण, भू- अभिलेख सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं, गतिविधियों और कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि जिले के प्रगतिशील कृषकों से सीधा संपर्क स्थापित कर प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करें। जिले में जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए 100- 100 किसानों को तैयार करें। कृषकों को व्यवस्थित तरीके से खाद वितरण के लिये बेहतर प्रबंधन किया जाये। उर्वरक की कालाबाजारी पर कठोरता से अंकुश लगायें। इसके अलावा पराली नरवाई जलाने की घटनाओं को नियंत्रित कर फसल अवशेष प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और बेलर की संख्या बढ़ाये। एक बगिया मां के नाम के परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें। ड्रिप सप्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा दें। सभी जिलों में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के क्रियान्वयन में गति लाई जाये। नई सहकारी दुग्ध समितियों का गठन कर नए मिल्क रूट बनाये जाएं तथा निष्क्रिय दुग्ध समितियों को क्रियाशील बनाया जाए। जिले में आयुष्मान कार्ड का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करें। एक जिला- एक उत्पाद योजना के तहत चिन्हांकित उत्पाद को पूर्ण योजनाबद्ध ढंग से उत्पादन पैकेजिंग मार्केटिंग सुनिश्चित की जाये।

समाधान योजना का लाभ उठाएं उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। समाधान योजना को लेकर विद्युत विभाग के नरसिंहपुर वृत के अधीक्षण अभियंता ने सख्त निर्देश जारी किए हैं कि 31 दिसंबर तक 1 लाख रुपए के ऊपर बकायदार से शत प्रतिशत राशि जमा करवाकर सरकार की समाधान योजना का लाभ प्राप्त करवाए। जिसे लेकर संचा/संधा संभाग के कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले के सख्त निर्देश पर प्रदेश शासन ओर ऊर्जा विभाग के द्वारा चलाई जा रही समाधान योजना 2025-2026 अंतर्गत उपभोक्ता लक्ष्मीप्रसाद प्रजापति पिता छोटेलाल प्रजापति ग्राम देवनगर सर्विस नंबर 1299012921 जिसकी राशि 261779 रुपए विगत वर्षों से बकाया थी जिनको अधिभार में 111645 रुपए की छूट मिली ओर 152683 रुपए कार्यालय में जमा करवाई गई। उपभोक्ता राशि जमा करने में सक्षम नहीं था प्रदेश शासन ओर ऊर्जा विभाग के द्वारा चलाई जा रही समाधान योजना संजीवनी साबित हुईं, राशि जमा के समय उपभोक्ता लक्ष्मी प्रसाद प्रजापति, चैधरी छत्रपाल सिंह, जितेंद्र साहू देवनगर, मुख्यालय प्रभारी रामजी उइके, नरेश सोनी वितरण केन्द्र प्रभारी, कनिष्ठ अभियंता संदीप यादव मौके पर उपस्थित रहे। उपभोक्ता के द्वारा प्रदेश शासन ओर ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया वितरण केन्द्र प्रभारी के द्वारा ओर ऊर्जा विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अपील की जा रही है कि प्रदेश शासन की योजना का प्रथम चरण के अधिक से अधिक उपभोक्ता के द्वारा राशि जमा कर अधिभार में शत प्रतिशत छूट का 31 दिसंबर तक लाभ लेकर लाभान्वित होवे।

जबलपुर गोटेगांव नरसिंहपुर मार्ग पूरी तरह से खस्ताहाल, फिर भी वसूला जा रहा टैक्स

गोटेगांव जबलपुर-नरसिंहपुर मार्ग पूरी तरह से खस्ताहाल हो चुका है। इसके बाद भी टोल टैक्स नाका लगा कर माल वाहकों से रोड टैक्स के नाम पर राशि वसूली जा रही है। इस बदहाल हो चुकी सड़क को सुधारने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। उक्त सड़क का रखरखाव रोड डेवलोपमेन्ट कारपोरेशन (RDC) द्वारा किया जाता हैं, लेकिन विभाग की अनदेखी और लापरवाही के कारण सड़क में बने बड़े बड़े गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहे हैं, कई जगह पर सड़क मार्ग पर गड्ढे हो गए हैं। जिसके कारण दुर्घटनाएं होती रहती है। इस मार्ग पर पुलिस प्रशासन ने कुछ स्थलों पर सूचक बोर्ड भी लगाए है जहां पर अधिकतर एक्सीडेंट की घटनाएं होती रहती है। जबलपुर से नरसिंहपुर जाने पर माल वाहकों को शहपुरा के पास लगाए गए टोल टैक्स नाका पर राशि देना पड़ती है। उसके बाद नरसिंहपुर बहोरीपार के पास लगाए गए टोल टैक्स पर राशि देनी पडती है। दो जगह पर माल वाहकों से राशि वसूलने के नाके लगे हुए है। जिस हिसाब से माल वाहकों से राशि वसूली जा रही है उस हिसाब से सड़क मार्ग की हालत नहीं है। सड़क की हालत खराब होने के कारण माल वाहक अपनी निर्धारित गति से वाहन को संचालित नहीं कर पाते है। जिसके कारण उनको डीजल का एवरेज तक नहीं मिल पाता है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम की उक्त रोड होने के बाद भी किसी प्रकार का कार्य बदहाल हो चुकी रोड को ठीक करने की दिशा मेंकदम नहीं उठाया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से निकलने वाले माल वाहकों से मनमर्जी के हिसाब से राशि वसूली जा रही है। सड़क मार्ग बदहाल और दो-दो जगह पर लगे टोल नाका के कारण उक्त मार्ग से जिस हिसाब से माल वाहक संचालित होते थे उसमें बहुत कमी आ गई है। इस मार्ग पर सिर्फ जरूरतमंद वाहन ही निकल रहे है। इस मार्ग पर चलने वाले माल वाहक चालकों ने बताया कि जबलपुर की ओर से आने पर जहां एक ओर शहपुरा के पहले बने राष्ट्रीय राज्य मार्ग के टोल नाके पर राशि देना पड़ती है उसके बाद गोटेगांव की सीमा में प्रवेश करने के लिए शहपुरा के बाहरी हिस्से में लगे टोल नाका में राशि देना पड़ती है दो जगह पर उक्त राशि देने के बाद भी सड़क पूरी तरह से बदहाल रहती है। इसको सुधारने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जाता है। बाइक चालकों का कहना है कि सड़क पर मौजूद गड्ढों को बचाने का प्रयास किया जाता है जो अचानक सामने आ जाते है तभी पीछे से आता हुआ वाहन टक्कर मार देता है।

इनका कहना

पहले इसका फोर लाइन बनने का था पर उसमें भू अर्जन कुछ ज्यादा आ रहा था भू अर्जन करना था किसानों की जमीन अधिग्रहीत करने का, उसमें शासन को किसानों को मुआवजा भी ज्यादा देना पड़ रहा था पर जो नया रिवाइज इस्टीमेट भेजा गया है जिसमें जो सडक़ है 10 मीटर चौड़ी होगी। अभी वर्तमान में जो निर्मित सडक़ है उससे और अधिक 10 मीटर चौड़ी होना है, तो उतनी जो जितनी आवश्यकता है उससे कहीं भी जगह है तो किसानों की जमीन को भू अर्जित नही करना पड़ेगा। सीधा-सीधा एस्टीमेट स्वीकृत हो जायेगा, इसमें किसी राज्य सरकार या किसी की एनओसी लेने की आवश्यकता नही होगी, क्योंकि जो जमीन है रोड के दोनों किनारे है पर्याप्त मात्रा में है इतने में सोल्डर भी आ जायेंगे, और 10 मीटर रोड चौड़ी भी हो जायेगी। पत्र भेजा गया है हम उम्मीद करते है जल्द ही हमारे जनप्रनिधि प्रयास कर रहे है जल्द से जल्द इसका कार्य प्रारंभ हो जायेगा।

रामस्नेही पाठक जिला अध्यक्ष

इनका कहना

हमने इस संबंध में लोक निर्माण विभाग अधिकारी एवं एमपी आरडीसी जबलपुर के अधिकारियों से चर्चा की है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि 15 से 20 दिवस में सड़क के मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा जिससे हम नागरिकों को जल्द ही राहत मिलेगी i साथ ही यह भी बताया कि रिकंस्ट्रक्शन के लिए प्रपोजल भेजा गया है

श्रीमती संगीता शर्मा जिला मंत्री नरसिंहपुर

इनका कहना

गोरेगांव से नरसिंहपुर रोड पर पीडब्ल्यूडी विभाग प्रशासन को रोड पर गड्ढे नहीं दिखाई देते रोज इस रोड दिन में कितने एक्सीडेंट होते हैं और कितने लोग घायल हो रहे और कितने ही लोगों की जान लील गई यह जर्जर सड़क, यह रोड जब काँग्रेस की सरकार थी तब इस रोड का निर्माण प्राइवेट ठेकेदारों से कराया गया था जिसमें टोल लिया जाता था लेकिन रोड की हालत अच्छी रहती थी लेकिन बीजेपी सरकार के समय से इस रोड पर बसूली ही रही हैं अगर टोल ले रहे हैं तो कम से कम रोड के गड्ढे तो भरवा दीजिए जिससे एक्सीडेंट न हो और लोगों की जान बच सके प्रशासनिक अधिकारियो और वर्तमान स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शीघ्र संज्ञान लेना चाहिए ताकि इस सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को राहत मिल सके !

पूर्व विधायक शेखर चौधरी

इनका कहना

यह सड़क नरसिंहपुर दादा महाराज से गोटेगांव शहपुरा मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हैं जिससे हम रबसर मोटर मालिकों को काफी परेशानी होती है जैसे की इस सड़क पर दौड़ रही हमारी बसें भी खराब होने के साथ-साथ टाइम भी ज्यादा लग रहा है और आने जाने में सवारियां भी परेशान होती है इस सड़क से रोजाना जिम्मेदार अधिकारी एवं जन-प्रतिनिधियों का भी आना जाना होता है लेकिन इस और ध्यान ना देना यह बड़ी लापरवाही है क्योंकि यह विषय जन सरोकारों से जुड़ा हुआ है साथ ही इस सड़क पर इतने गड्ढे हो गए हैं कि सड़क हादसे भी हो रहे हैं संबंधित विभाग एवं जिम्मेदारों को इस और ध्यान देना चाहिए !

बस मालिक वगीश द्विवेदी

इनका कहना

इस सड़क की दुर्दशा इतनी खराब है कि अगर कोई परिजन इस सड़क से अपने मरीज या फिर गर्भवती महिलाओं को ले जाते हैं तो काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है और परेशानियां होने के साथ-साथ एक्सीडेंट भी बहुत हो रहे हैं साथ ही सड़क में पूरे गड्ढे ही गड्ढे होने के बावजूद भी यहां पर टैक्स वसूली की जा रही है जो की अनुचित है सड़क में जल्द ही सुधार कार्य हो ताकि यहां से गुजरने वाले मोटर मालिकों या फिर राहगीरों को हो रही जनहानि धन हानि एवं समय की बचत हो सके और उनको इस समस्या से निजात मिल सके यहां पर जिम्मेदारों को विशेष ध्यान आकर्षित कर इस समस्या का समाधान कराना चाहिए i

रूपमती साहू राहगीर

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दसवीं एवं बारहवीं कक्षाओं का अवलोकन कर उत्कृष्ट परिणाम के लिए दिए टिप्स

गोटेगांव, विगत दिवस शासकीय सांदीपनि विद्यालय में शासन के निर्देशानुसार प्राचार्य एस के सिसोदिया के मार्गदर्शन में प्राथमिक तथा माध्यमिक कक्षाओं का वर्ष भर में सीखी गई गतिविधियों क्राफ्ट , सांस्कृतिक कार्यक्रम , लेखन कला, नृत्य कला, मूर्ति कला, पेंटिंग, गायन तथा अन्य विधाओं का सृजन कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ । उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रतुल इन्दुरख्या, एडीपीसी श्री विपनेश जैन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोटेगांव श्री सिद्धांत बागड़े द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मंच का संचालन रघुनाथ मेहरा तथा हेमंत कार्तिकेय द्वारा किया गया। सभी अतिथियों व शिक्षकों और पालकों द्वारा विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया । विधार्थी के माता पिता द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम का अवलोकन किया गया । जिला शिक्षा अधिकारी ने मंच पर उन विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जो प्रतिदिन अपने माता-पिता के सुबह उठकर पैर छूते हैं तथा सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन अपने माता-पिता के चरण छूने के पश्चात पढ़ाई करने हेतु प्रेरित किया । प्राथमिक तथा माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों ने नृत्य द्वारा अतिथियों का मन मोह लिया ।

तत्पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कक्षा दसवीं में गणित, अंग्रेजी तथा विज्ञान विषय के अध्यापन कार्य का निरीक्षण करके विद्यार्थियों से तीनों विषय के प्रश्न पूछे गए । तीनों अधिकारीयों द्वारा उत्तम परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया । प्रत्येक विद्यार्थी को अपने किसी भी एक कॉपी के पिछले पेज पर त्रैमासिक परीक्षा परिणाम, अर्धवार्षिक परीक्षा देखकर प्री बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम की तैयारी हेतु प्रेरित किया ।जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय के भवन का अवलोकन किया गया तथा जल्द से जल्द भवन पूर्ण करने हेतु चर्चा की । अंत में आभार प्रदर्शन एसके सिसोदिया द्वारा किया गया

बालाजी धाम कॉलोनी में नाले के पास एक युवक की लाश मिली

नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र में रविवार रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब बालाजी धाम कॉलोनी में नाले के पास एक युवक की लाश मिलने की सूचना सामने आई। सूचना मिलते ही गोटेगांव पुलिस मौके पर पहुंची और नगर पालिका के कर्मचारियों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव के शवगृह में सुरक्षित रखवाया गया। थाना गोटेगांव के उप निरीक्षक अभिषेक पटेल ने बताया कि जांच के दौरान मृतक की पहचान चुन्नी यादव के रूप में हुई है, जो गोटेगांव का ही निवासी था और पैरों से विकलांग था। उन्होंने बताया कि मृतक के पिता रामप्रसाद यादव द्वारा 19 तारीख को थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही थी। अब वही गुमशुदा युवक का शव नाले के किनारे मिला है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के संबंध में कॉलोनी निवासी दीपक गुप्ता ने बताया कि कॉलोनी में उनके मकान का निर्माण कार्य चल रहा था, जहां 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान किसी महिला के बाथरूम जाने के दौरान झाड़ियों के पीछे कुछ पड़ा हुआ दिखाई दिया। पहले तो उसे पुतला समझा गया, लेकिन पास जाकर देखने पर शव होने की आशंका हुई। इसके बाद कॉलोनीवासियों को सूचना दी गई और कॉलोनी ऑर्गेनाइजर पंकज चौकसे के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

नगर गौरव दिवस पर हुये विविध आयोजन

सद्भावना रैली के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं का दिया लाभ

तेंदूखेड़ा विगत दिवस तेंदूखेड़ा नगर गौरव दिवस पर नगर में स्वच्छता अभियान रंगोली और वृक्षारोपण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दोपहर के समय स्कूली छात्रों द्वारा सद्भावना रैली निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व भागचंद जैन सच्चे दादा चौक पर संपन्न हुई। मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल तथा अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने की।इस दौरान वृद्ध जनों को कंबल वितरण सफाई कर्मियों को किटो का वितरण तथा हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत 8 हितग्राहियों पी एम स्वनिधि के तहत 25000 रुपए 6 हितग्राहियों पी एम स्वनिधि के तहत 50000 तथा 20 हितग्राहियों को संबल योजना अंत्येष्टि राशि 5000 एवं 100000 की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र दिए गए।

1 हितग्राही को कर्मकार मंडल योजना अंत्येष्टि सहायता अनुग्रह सहायता 2 लाख 6 हजार

1 हितग्राही संबल अनुग्रह सहायता राशि 2 लाख रुपए 185 हितग्राहियों को कंबल एवं 64 हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान की गई। वहीं कार्यक्रम के पूर्व पी डब्लू डी कालोनी परिसर में 18 लाख की लागत से बनने वाले अटल पार्क का भूमी पूजन एवं मंगल भवन के बाजू से 63.83 लाख की रुपए की लागत से बनने वाले अटल काम्प्लेक्स का भूमी पूजन किया गया।

*किसानों को बांटे कृषि उपकरण

नगर गौरव दिवस के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा भी किसानों को शासन की योजना के तहत कृषि उपकरणों का निःशुल्क वितरण किया। हमारे प्रतिनिधि को वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी एम साहू ने बताया कि 15 किसानों को कटिया मशीनें तथा अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के 08 किसानों को स्प्रेयर पंपों का वितरण किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

उक्त अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा डॉ हरगोविंद पटेल हरिप्रताप ममार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश प्रताप सिंह पटेल जनगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमति हेमलता डालचंद पटेल वरिष्ठ पार्षद संतोष पटेल राजीव अग्रवाल रमाकांत शर्मा राजकुमार रघुवंशी शिवदयाल खेरोनिया वंदना पटेल अशोक पटेल सोनू महाराज महीष मोदी सहित सभी पार्षद वरिष्ठ नेता गण मंडल के पदाधिकारी कार्यकर्ता नगरवासी उपस्थित रहे।